रजिस्ट्री सं. डी. एल.-33004/98 REGD. NO. D. L.-33004/98

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

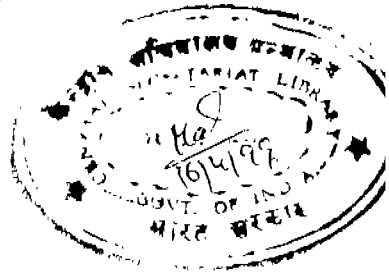

सं॰ 824] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 21, 1998/अग्रहायण 30, 1920
No. 824] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 21, 1998/AGRAHAYANA 30, 1920

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1998

का. आ. 1089(अ).— भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूति के रूप में भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले छह सौ करोड़ रुपए से अनधिक के कुल मूल्य के ड़िबेंचर की प्रकृति के, जिन्हें निम्नलिखित रूप में वर्णित किया गया है :—

1. इनकैश बॉंड
2. टैक्स सेविंग बॉंड
3. रैगुलर इन्कम बॉंड
4. मनी मल्टीप्लायर बॉंड

अप्रतिभूत मोचनीय बॉंड (आई. सी. आई. सी. आई. सेफ्टी बॉंड- दिसम्बर 1998) प्राधिकृत करती है।

(फा. सं. 6/22/सी. एम./98)

यू. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(CAPITAL MARKET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st December, 1998

S. O. 1089 (E).— In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the Unsecured Redeemable Bonds (ICICI Safety Bonds—December 1998) in the nature of debentures described as:—

1. Encash Bond;
2. Tax Saving Bond;
3. Regular Income Bond;
4. Money Multiplier Bond,

of the total aggregate value not exceeding rupees six hundred crores only to be issued by the Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited, Mumbai, as a security for the purposes of the said section.

[F. No. 6/22/CM/98]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.

3439 GI/98

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the C[illegible]oller of P[illegible] Delhi-110054 — 1998.